उद्योगों के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच वैज्ञानिक, तकनीकी तथा आर्थिक सहयोग विकसित करने की व्यवस्था है। इस करार से संयुक्त अनुसंधान क्रियाकलापों को बढ़ावा दिए जाने का पता लगाया जाएगा। यह सहयोग वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों, सामग्री तथा सूचना के आदान-प्रदान सामग्री और उपस्करों के प्रशिक्षण और आपूर्ति के साथ-साथ संगोष्ठियां और कार्यशालाएं इत्यादि आयोजित करने के रूप में होगा। सहयोग की प्रगति की समीक्षा करने हेतु भारत और फ्रांस में बारी-बारी से प्रत्येक वर्ष कार्य सत्र होगा। करार के संबंध में भारत सरकार और फ्रांस सरकार द्वारा नई दिल्ली में 9 नवम्बर, 1994 को एक कार्य अनुसूची पर भी हस्ताक्षर किये गए हैं। इस कार्य अनुसूची में डेरी प्रौद्योगिकी, मुर्गीपालन और पशुपालन मात्स्यिकी सब्जियों के समेकित संचालन एवं विपणन की तकनीकों, कृषि यंत्रीकरण में कंप्यूटर सहायता प्राप्त डिजाइन, वाणिज्यिक टिशु कल्चर, फूलों के कटाई-पश्चात् प्रबंध इत्यादि के क्षेत्र में विनिर्दिष्ट सहयोगात्मक गतिविधियों पर विचार किया जाएगा। यह आशा की जाती है कि कृषि के क्षेत्र में सहयोग के क्रियाकलापों से दोनों देशों के बीच परस्पर लाभदायक परिणाम निकलेंगे।

**डेरी विकास के अधीन गतिविधियां**

**493. श्री आस मोहम्मद :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गत तीन वर्षों के दौरान डेरी विकास के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं के अधीन कौन-कौन से काम शुरू किए गये ;

(ख) क्या सरकार ने इन योजनाओं के कार्यों की समीक्षा और निगरानी की है ;

(ग) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम रहे हैं ?

**कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविन्द नेतलम) :** (क) आपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे कार्यकलाप हैं- आनन्द पैटर्न डेरी सहकारी समितियों का गठन (डेस.स.) दुग्ध अधिप्राप्ति, डेरी प्रसंस्करण क्षमता की स्थापना तथा दुग्ध और दुग्ध उत्पादों का विपणन। इस कार्यक्रम ने कम मात्रा में दूध की पैदावार करने वाले हर किसान को शहरी बाजार से जोड़ा है। इस कार्यक्रम ने दुग्ध उत्पादन में वृद्धि, प्रसंस्करण, पैकिंग तथा दुग्ध तथा दुग्ध उत्पादों के लिए समुचित बाजार व्यवस्था तथा प्रौद्योगिकी को ग्राम किसानों तक पहुंचा दिया है। आपरेशन फ्लड कार्यक्रम के अंतर्गत पिछले तीन वर्षों के दौरान महत्वपूर्ण घटकों की राज्यवार, वर्ष-वार प्रगति अनुपत्र में दी गई है। [देखिए परिशिष्ट 172, अनुपत्र संख्या 8]

(ख) तथा (ग) सरकार समय-समय पर इन योजनाओं के कार्यों की समीक्षा और निगरानी करती रहती है तथा जहां आवश्यकता होती है वहां; समुचित उपचारी उपाय सतत रूप से किए जाते हैं।

**दूध की गुणवत्ता में सुधार**

**494. चौधरी हमरमोहन सिंह :** क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने दूध की गुणवत्ता में सुधार करने के लिए कोई प्रयास किये हैं ;

(ख) यदि हां, तो उनका ब्यौरा क्या है; और